eISSN 3139-2377
RESEARCH WORK
A Monthly, Open Access, Peer Reviewed International Research Journal
Volume 02, Issue 05, May 2026

साक्षर बेटी सशक्त परिवार

डॉ0 स्मिता सिंह[1]
[1]सहयुक्त आचार्य शिक्षा शास्त्र, महिला महाविद्यालय बस्ती, उ0प्र0

Received: 20 May 2026 Accepted & Reviewed: 25 May 2026, Published: 31 May 2026

Abstract

साक्षर बेटी, सशक्त परिवार केवल एक नारा नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन, लैंगिक समानता तथा सतत् विकास की आधारशिला है। किसी भी समाज की प्रगति उसकी महिलाओं की शिक्षा के स्तर पर निर्भर करती है। जब एक बेटी शिक्षित होती है, तो वह न केवल स्वयं आत्मनिर्भर बनती है, बल्कि अपने परिवार, समुदाय और राष्ट्र के विकास में भी सक्रिय भूमिका निभाती है। शिक्षित बेटियाँ परिवार में स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण, आर्थिक प्रबंधन, बाल शिक्षा तथा सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का प्रसार करती हैं। इसके परिणामस्वरूप परिवार का जीवन स्तर सुधरता है, बाल विवाह, लैंगिक भेदभाव और अशिक्षा जैसी सामाजिक समस्याओं में कमी आती है तथा महिलाओं की निर्णय–निर्माण प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ती है। भारत सरकार द्वारा संचालित बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, समग्र शिक्षा अभियान तथा महिला सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न योजनाओं ने बालिका शिक्षा को नई दिशा प्रदान की है। इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों, आर्थिक विषमताओं, सामाजिक रूढ़ियों तथा डिजिटल असमानता जैसी चुनौतियाँ अभी भी बालिका शिक्षा के मार्ग में बाधा बनी हुई हैं। इन चुनौतियों का समाधान केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि परिवार, समाज, शैक्षणिक संस्थानों और नागरिक संगठनों की सामूहिक सहभागिता से संभव है। यह अध्ययन बालिका शिक्षा और परिवार के सामाजिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक सशक्तिकरण के मध्य संबंध का विश्लेषण करता है। अध्ययन से स्पष्ट होता है कि शिक्षित बेटियाँ परिवार की आय, स्वास्थ्य, सामाजिक प्रतिष्ठा और अगली पीढ़ी की शिक्षा में सकारात्मक योगदान देती हैं। अतः बालिका शिक्षा में किया गया निवेश वास्तव में राष्ट्र के भविष्य में किया गया निवेश है। निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि साक्षर बेटी ही सशक्त परिवार, समृद्ध समाज और विकसित भारत की सबसे मजबूत आधारशिला है।

प्रमुख शब्द – साक्षर बेटी, महिला शिक्षा, बालिका शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, सशक्त परिवार, लैंगिक समानता, सामाजिक विकास, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

Introduction

शिक्षा एक ऐसा हथियार है जो किसी भी व्यक्ति को सशक्त बना सकता है। यह विशेष रूप से महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण है, जिन्हें पारंपरिक रूप से घरेलू कार्यों और पारिवारिक जिम्मेदारियों तक सीमित रखा गया है। एक शिक्षित महिला न केवल अपने परिवार के लिए, बल्कि समाज के लिए भी एक शक्तिशाली संपदा हो सकती है। महिला शिक्षा समाज की प्रगति, आर्थिक समृद्धि और सशक्तिकरण की नींव है। एक शिक्षित महिला न केवल अपना और अपने परिवार का बेहतर विकास करती है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना को भी मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देती है. एक शिक्षित महिला समाज में एक शक्तिशाली संपदा हो सकती है। वह अपने परिवार, समाज और देश के लिए सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए, महिला शिक्षा को बढ़ावा देना और महिलाओं को शिक्षित करना हमारे समाज के लिए आवश्यक है। महिला शिक्षा के प्रमुख लाभ निम्नलिखित हैं–

eISSN 3139-2377
RESEARCH WORK
A Monthly, Open Access, Peer Reviewed International Research Journal
Volume 02, Issue 05, May 2026

1. आर्थिक आत्मनिर्भरता और गरीबी उन्मूलन– शिक्षा महिलाओं को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करती है, जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनती हैं. जब महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होती हैं, तो परिवारों की आय बढ़ती है, जो गरीबी के दुष्चक्र को तोड़ने में मदद करता है

2. बेहतर स्वास्थ्य और पोषण– शिक्षित महिलाओं में स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण के प्रति जागरूकता अधिक होती है. इससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आती है और परिवार का स्वास्थ्य बेहतर रहता है

3. सामाजिक सशक्तिकरण और आत्मविश्वास – शिक्षा महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाती है, जिससे वे घरेलू हिंसा और शोषण के खिलाफ आवाज उठाने में सक्षम होती हैं. यह महिलाओं में निर्णय लेने की क्षमता और आत्मसम्मान को बढ़ाता है.

4. पीढ़ियों का सुधार (बच्चों की बेहतर परवरिश) – कहा जाता है कि जब आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं, तो आप एक व्यक्ति को शिक्षित करते हैं; जब आप एक महिला को शिक्षित करते हैं, तो आप पूरी पीढ़ी को शिक्षित करते हैं। एक शिक्षित माँ अपने बच्चों की शिक्षा और अच्छे संस्कारों पर विशेष ध्यान देती है, जिससे आने वाला भविष्य उज्जवल होता है.

5. बाल विवाह और जनसंख्या नियंत्रण पर रोक– उच्च शिक्षा प्राप्त करने से लड़कियों की विवाह योग्य आयु में वृद्धि होती है. शिक्षित महिलाओं में छोटे और स्थिर परिवार का दृष्टिकोण विकसित होता है, जिससे जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में मदद मिलती है

बालिका शिक्षा के कुछ लाभ– 1. वित्तीय स्वतंत्रता, 2. स्वस्थ समुदाय, 3. साक्षरता दर में सुधार, 4. आत्मविश्वास, 5. सामाजिक गतिशीलता 6. दीर्घकालिक आर्थिक विकास, 7. शोषण से बचाव. 8. विवाह में समानता को बढ़ावा 9. नागरिक भागीदारी और नेतृत्व. 10. लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ना–

साक्षर बेटी परिवारों और समुदायों के लिए महत्वपूर्ण– लड़कियों को शिक्षित करना स्थायी परिवर्तन लाता है, परिवारों को सशक्त बनाता है और पूरे समुदाय के कल्याण में सुधार करता है। यह ज्ञान, आत्मविश्वास और अवसरों का निर्माण करता है जो दीर्घकालिक प्रगति में सहायक होते हैं।

- शिक्षित माताएं परिवार के स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता में सुधार करती हैं।
- साक्षर बेटिया घरेलू आय और आर्थिक स्थिरता में योगदान देती हैं।
- शिक्षा से सूचित परिवार नियोजन और स्वस्थ जीवन शैली के विकल्पों को बढ़ावा मिलता है।
- यह बाल विवाह को कम करता है और लैंगिक असमानता को चुनौती देता है।
- महिलाओं की भागीदारी सामुदायिक विकास और शासन को मजबूत बनाती है।
- साक्षर बेटिया राष्ट्रीय आर्थिक विकास को गति देने और गरीबी के चक्र को तोड़ने में मदद करती हैं।
- स्वस्थ और बेहतर जानकारी रखने वाले परिवार मजबूत भावी पीढ़ियों का निर्माण करते हैं।

eISSN 3139-2377
RESEARCH WORK
A Monthly, Open Access, Peer Reviewed International Research Journal
Volume 02, Issue 05, May 2026

लड़कियों की शिक्षा के सामाजिक और आर्थिक लाभ – लड़कियों की शिक्षा अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत बनाती है और स्वस्थ एवं अधिक लचीले समाजों का निर्माण करती है। यह दीर्घकालिक परिवर्तन लाती है जो परिवारों, समुदायों और राष्ट्रीय विकास को सहयोग प्रदान करता है।

•शिक्षा से महिलाओं की आय बढ़ती है, जिससे गरीबी कम करने और घरेलू खुशहाली को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।

•कार्यबल में महिलाओं की अधिक भागीदारी उत्पादकता और आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है।

•शिक्षित महिलाओं को बेहतर नौकरियां और जीवन भर में अधिक आय प्राप्त होती है।

•बेहतर पोषण और स्वास्थ्य देखभाल विकल्पों के माध्यम से परिवार स्वस्थ बनते हैं।

•शिक्षा विवाह में देरी करती है और छोटे, अधिक स्थिर परिवारों को बढ़ावा देती है।

•शिक्षा महिलाओं को घर और अपने समुदायों में निर्णय लेने में भाग लेने के लिए सशक्त बनाती है।

इसके लाभ पीढ़ियों तक जारी रहते हैं, जिससे स्थायी प्रगति होती है। एक शिक्षित महिला की समाज में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं हो सकती हैं–

1. शिक्षिका– वह अन्य महिलाओं और बच्चों को शिक्षित कर सकती है।

2. उद्यमी– वह अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकती है और रोजगार के अवसर प्रदान कर सकती है।

3. नेतृत्व– वह समाज में नेतृत्व की भूमिका निभा सकती है और सकारात्मक परिवर्तन लाने में मदद कर सकती है।

4. सामाजिक कार्यकर्ता– वह समाज में विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर काम कर सकती है और सकारात्मक परिवर्तन लाने में मदद कर सकती है।

बालिका शिक्षा के समक्ष चुनौतियाँ और बाधाएँ– विश्वभर में लड़कियों को सुरक्षित, नियमित और सार्थक शिक्षा प्राप्त करने में लगातार बाधाओं का सामना करना पड़ता है। ये बाधाएं सामाजिक मानदंडों, आर्थिक दबावों और व्यवस्थागत कमियों से उत्पन्न होती हैं।

• लैंगिक भेदभाव, रूढ़िवादिता और पितृसत्तात्मक मानदंड लड़कियों के विकल्पों को सीमित करते हैं और लड़कों की शिक्षा को प्राथमिकता देते हैं।

• कम उम्र में शादी, गर्भावस्था और माता–पिता की कम साक्षरता लड़कियों को शिक्षा से वंचित कर देती है।

• गरीबी, बाल श्रम और घरेलू काम की आवश्यकता स्कूली शिक्षा में भागीदारी को कम करती है।

• शौचालयों की कमी, लंबे असुरक्षित यात्रा मार्ग और सुरक्षा संबंधी चिंताएं स्कूल जाने से हतोत्साहित करती हैं।

• संघर्ष, जलवायु परिवर्तन और निम्न गुणवत्ता वाली शिक्षा लड़कियों को सीखने से और भी अधिक रोकती हैं।

स्वास्थ्य, कल्याण और सामाजिक परिणामों पर प्रभाव– नारी समाज की आधारशिला है। उसकी शिक्षा केवल उसके व्यक्तिगत विकास तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पूरे समाज के उत्थान में सहायक होती है। एक शिक्षित नारी न केवल अपने परिवार का मार्गदर्शन कर सकती है, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है। शिक्षा से नारी आत्मनिर्भर बनती है। वह अपने अधिकारों को समझती है और समाज में सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकती है। एक शिक्षित नारी परिवार को आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त बनाती है। यदि एक नारी शिक्षित होती है, तो वह अपने बच्चों को भी शिक्षित बनाती है, जिससे अगली पीढ़ी भी प्रगति की ओर अग्रसर होती है।

हमारा स्वास्थ्य और खुशहाली हमारे रिश्तों, परिवेश और संसाधनों की उपलब्धता से प्रभावित होती है। ये कारक हमारे जीवन भर के विकास, चुनौतियों से निपटने और सफल होने के तरीके को प्रभावित करते हैं।

मजबूत सामाजिक संबंध सूजन को कम करते हैं, गंभीर बीमारियों के जोखिम को घटाते हैं और स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देते हैं। सकारात्मक संबंध आत्मविश्वास और भावनात्मक स्थिरता बढ़ाते हैं और अकेलेपन, चिंता और अवसाद को कम करते हैं। सहायक परिवार और समुदाय लचीलापन बढ़ाते हैं, स्वस्थ वृद्धावस्था को प्रोत्साहित करते हैं और समग्र जीवन संतुष्टि को बढ़ाते हैं। आय, शिक्षा और रोजगार जैसे आर्थिक कारक दीर्घकालिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जबकि गरीबी कई जोखिमों को बढ़ाती है।

उत्तर प्रदेश (विशेष रूप से गोरखपुर) में शिक्षित महिलाओं के लिए सरकार द्वारा उच्च शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, स्वरोजगार और वित्तीय सहायता की कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। प्रमुख योजनाओं में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, उद्योगिनी योजना, और पीएमईजीपी शामिल हैं.

शिक्षित महिलाओं के लिए प्रमुख सरकारी लाभ और योजनाएं

1. शिक्षा और प्रोत्साहन–

• मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना– उत्तर प्रदेश सरकार की इस योजना के तहत बालिकाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए उनके जन्म से लेकर स्नातक तक किस्तों में कुल ₹25,000 की आर्थिक सहायता सीधे बैंक खाते में दी जाती है.

• ब्ठैम् उड़ान स्कीमरू केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और शिक्षा मंत्रालय की यह पहल विशेष रूप से छात्राओं को उच्च शिक्षा (इंजीनियरिंग और तकनीकी संस्थानों) में नामांकन के लिए प्रोत्साहित करती है.

2. स्वरोजगार और व्यापार ऋण–

• उद्योगिनी योजना– इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को सूक्ष्म उद्यम शुरू करने के लिए कम ब्याज पर ऋण प्रदान किया जाता है.

• PMEGP: प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत महिलाओं को अपना नया व्यवसाय या उद्योग स्थापित करने के लिए सरकार द्वारा ऋण पर भारी सब्सिडी दी जाती है.

eISSN 3139-2377
RESEARCH WORK
A Monthly, Open Access, Peer Reviewed International Research Journal
Volume 02, Issue 05, May 2026

3. घर बैठे रोजगार–

•मुख्यमंत्री वर्क फ्रॉम होम – जॉब वर्क योजना– इसके जरिए उत्तर प्रदेश सरकार ऐसी महिलाओं को प्रोत्साहित कर रही है जो घर से काम करना चाहती हैं. इसमें निजी इकाइयों को प्रशिक्षित महिलाओं को रोजगार देने पर सरकार द्वारा प्रशिक्षण प्रोत्साहन राशि दी जाती है.

4. डिजिटल साक्षरता और नौकरी–

•रोजगार संगम पोर्टल– शिक्षित बेरोजगार महिलाएं उत्तर प्रदेश के आधिकारिक रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण करके सरकारी और निजी नौकरियों के अवसरों का लाभ उठा सकती हैं.

5. उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति–

•केंद्र और राज्य सरकार द्वारा पोस्ट–मैट्रिक छात्रवृत्ति, बेगम हजरत महल राष्ट्रीय छात्रवृत्ति, और राष्ट्रीय योग्यता–सह–साधन छात्रवृत्ति जैसी कई स्कॉलरशिप योजनाएं चलाई जा रही हैं।

समाज में शिक्षित नारी की भूमिका

1. परिवार की नींव मजबूत करना – एक शिक्षित नारी अपने परिवार को अच्छे संस्कार और शिक्षा प्रदान करती है। वह बच्चों के सर्वांगीण विकास में मदद करती है और परिवार के बेहतर प्रबंधन में सहायक होती है।

2. आर्थिक स्वतंत्रता – शिक्षा से नारी आत्मनिर्भर बनती है और विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकती है। इससे न केवल उसका आत्म–सम्मान बढ़ता है, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होती है।

3. सामाजिक सुधार में योगदान – शिक्षित नारी समाज की कुरीतियों, जैसे दहेज प्रथा, बाल विवाह, लिंग भेदभाव आदि के खिलाफ आवाज उठा सकती है। वह समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य भी कर सकती है।

4. राजनीतिक और प्रशासनिक क्षेत्र में योगदान – शिक्षित नारियाँ अब राजनीति और प्रशासनिक सेवाओं में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे समाज में नीतियों और कानूनों के निर्माण में योगदान देकर सामाजिक बदलाव ला रही हैं।

5. स्वास्थ्य और स्वच्छता में जागरूकता – एक शिक्षित नारी अपने परिवार और समाज में स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैला सकती है। इससे संपूर्ण समाज के स्वास्थ्य स्तर में सुधार होता हैस

निष्कर्ष– शिक्षा महिलाओं को सशक्त बनाती है और उन्हें अपने जीवन के बारे में सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। शिक्षित महिलाएं अपने परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार करने में सक्षम होती हैं। शिक्षित महिलाएं समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। शिक्षित महिलाएं अपने परिवारों के स्वास्थ्य और पोषण के बारे में बेहतर निर्णय ले सकती हैं. शिक्षित नारी समाज की रीढ़ होती है। उसकी शिक्षा केवल उसके जीवन को ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को प्रगति की दिशा में ले जाती है। इसलिए, महिलाओं की शिक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और समाज

eISSN 3139-2377
RESEARCH WORK
A Monthly, Open Access, Peer Reviewed International Research Journal
Volume 02, Issue 05, May 2026

में सकारात्मक बदलाव ला सकें। जब नारी शिक्षित होगी, तभी समाज और राष्ट्र का संपूर्ण विकास संभव होगा।

संदर्भ सूची–

भारत सरकार. (2020). **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (National Education Policy 2020)**. शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली.

भारत सरकार. (2015). **बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना: दिशा-निर्देश**. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, नई दिल्ली.

United Nations. (2015). *Transforming Our World: The 2030 Agenda for Sustainable Development*. New York: United Nations.

UNESCO. (2023). *Global Education Monitoring Report 2023: Technology in Education – A Tool on Whose Terms?* Paris: UNESCO.

UNICEF. (2022). *The State of the World's Children 2022*. New York: UNICEF.

Sen, A. (1999). *Development as Freedom*. Oxford University Press.

Dreze, J., & Sen, A. (2013). *An Uncertain Glory: India and Its Contradictions*. Princeton University Press.

Nussbaum, M. C. (2011). *Creating Capabilities: The Human Development Approach*. Harvard University Press.

World Bank. (2018). *Missed Opportunities: The High Cost of Not Educating Girls*. Washington, DC: World Bank.

Government of India. (2021). **Unified District Information System for Education Plus (UDISE+) Report 2020–21**. Ministry of Education, New Delhi.